सफलता

जिलेट नैरेटिव — नांदो, लेखक

gillettenarrative.com

तुमने मुझे सिखाया कि उसे पाने के लिए एक पूरी ज़िंदगी भी काफ़ी न होगी।

नतीजों में।

आँकड़ों में।

बाज़ारों में।

पदोन्नतियों में।

उन देशों में जिन्हें मैंने पार किया।

अपने कारोबारी कार्डों पर छपे ओहदों में।

मैं समझता था कि यह कोई शिखर है।

फिर मैंने पाया कि यह तो एक परछाईं थी।

मैं जितना तेज़ दौड़ता, वह उतनी ही दूर सरक जाती।

उसका पीछा करना कभी उसकी नियति थी ही नहीं।

तो मैंने पेशा बदल लिया।

मैंने उसका पीछा करना छोड़ दिया।

मैंने देखना शुरू किया।

लोगों को।

कहानियों को।

नाकामियों को।

गँवाए हुए अवसरों को।

औरतों को।

ख़ासकर औरतों को।

और तब मैं कुछ ऐसा समझा जो किसी पाठशाला ने मुझे कभी नहीं सिखाया था।

मुझे सड़क की ज़रूरत थी।

उसके बिना, मैं कभी न समझ पाता।

सफलता कोई विजय नहीं है।

यह एक स्वीकृति है।

इसे छीना नहीं जाता।

इसे पाया जाता है।

कोई आदमी यह तय नहीं करता कि वह कब पहुँच गया।

जीवन तय करता है।

और कभी-कभी जीवन एक औरत का चेहरा ओढ़ लेता है।

इसीलिए मुझे एक बहुत ही सरल बात का संदेह है।

कि सफलता कहीं मेरी प्रतीक्षा नहीं कर रही।

कि वह किसी अनुबंध, किसी किताब, किसी पुरस्कार, या किसी आँकड़े के पीछे छिपी नहीं है।

वह आएगी।

चुपचाप।

बिना किसी घोषणा के।

बिना किसी शोर-शराबे के।

एक औरत से।

जब वह तय करेगी।

और वह कभी इतालवी नहीं बोलेगी।

फर्दिनांदो

आर्काइव | फर्दिनांदो फ्रेगा — नांदो, लेखक | © 2026 Gillettenarrative.com. सर्वाधिकार सुरक्षित।